कलेक्टर ने नलकूप को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

बैतूल, 24 फरवरी. बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में प्रातः 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं ध्यान पूर्वक सुनीं।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

विभागों के अधिकारी भी रहे मौजूद

जनसुनवाई के दौरान राजस्व, भूमि विवाद, पेंशन, आवास, बिजली, पेयजल सहित अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। इस दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कई प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर मौके पर ही निराकरण कराया, वहीं शेष मामलों में समय-सीमा तय करते हुए अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्रभातपट्टन तहसील के ग्राम नागथाना में आवेदक द्वारा नलकूप पर अवैध कब्जे की शिकायत पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सीईओ जनपद पंचायत प्रभातपट्टन को तत्काल नलकूप को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनी। इस अवसर पर सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में आमला तहसील के ग्राम अम्बाड़ा निवास दीप सिंह चौहान ने खेत का कंप्यूटरकृत नक्शा सुधारने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने आमला तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। इसी प्रकार मुलताई तहसील के ग्राम पिसाटा निवासी साहेबराव भुजाड़े ने खसरा नंबर सुधार कर खेत का नक्शा काटने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने संबंधित पटवारी को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत टेमरु रैय्यत के किसानों ने सिंचाई में बिजली की समस्या को लेकर आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर ने एमपीईबी के संबंधित अधिकारी और वितरण केंद्र के अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। पंचायत पारड़सिंगा में शासकीय अवैध अतिक्रमण हटाए जाने के आवेदन पर कलेक्टर ने मुलताई तहसीलदार को प्रकरण का शीघ्र निराकरण किए जाने के निर्देश दिए।

राशन कार्ड बनवाए जाने की मांग

जनसुनवाई में ग्राम अम्बाड़ा निवासी शकुन मानकर ने राशन कार्ड बनवाए जाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने आमला तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में नरेश कुमार शाह ने कच्चे सेप्टिक टैंक का पानी रिसने से ट्यूबवेल का पानी गंदा होने की शिकायत आवेदन के माध्यम से की। आवेदक की समस्या को गंभीरतापूर्वक सुन कलेक्टर ने कॉलोनाइजर पर नाराजगी जाहिर की और डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अनिता पटेल को आवेदक और कॉलेनाइजर के साथ मौके पर जाकर कॉलेनाइजर से सुधार कार्य करवाने के सख्त निर्देश दिए। ग्राम खेड़ी सांवलीगढ़ निवासी सुलेखा ने आवेदन के माध्यम से अज्ञात व्यक्ति द्वारा प्लाट की बाउंड्रीवॉल तथा बोर्ड तोड़ने की शिकायत की, जिस पर कलेक्टर ने नायब तहसीलदार खेड़ी सांवलीगढ़ को प्रकरण का त्वरित निराकरण किए जाने के निर्देश दिए।

भूमि से अवैध कब्जा हटाने के दिए निर्देश

जनसुनवाई में मुलताई तहसील की ग्राम पंचायत पारड़सिंगा के ग्रामीणों ने नल जल योजना की पाइपलाइन बदलने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने ईई पीएचई को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम पंचायत पारड़सिंगा में शासकीय अवैध अतिक्रमण हटाए जाने के आवेदन पर कलेक्टर ने मुलताई तहसीलदार को प्रकरण का शीघ्र निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। ग्राम दीवान चारसी निवास मेसराम धुर्वे ने भूमि से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया, जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार को प्रकरण की जांच कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

लापता मासूम का नहीं मिला सुराग

बैतूल। भैंसदेही थाना क्षेत्र स्थित चिल्कापुर गांव से 7 वर्षीय खुश माथनकर पिछले एक महीने से लापता है। 18 जनवरी को घर से बकरी लेने निकला खुश वापस नहीं लौटा। पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें लगातार उसकी तलाश कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। खुश 18 जनवरी की शाम को स्कूल से घर लौटा था। उसने अपनी दादी को बताया कि वह बकरी लेने जा रहा है और घर से निकल गया। रास्ते में उसने अपने दोस्तों से भी यही बात कही थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। शाम तक जब खुश नहीं लौटा, तो परिजनों और ग्रामीणों ने पूरी रात उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। 19 जनवरी को परिजनों ने भैंसदेही पुलिस थाने में खुश की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। तब से पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी है।

एक नजर में

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, मौत

बैतूल। जावरा के पास हुए एक सड़क हादसे में लाखापुर निवासी 25 वर्षीय सोनू कवड़े की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब सोनू अपने साथी रामदयाल के साथ अर्जुनवाड़ी से एक सगाई कार्यक्रम से लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, रास्ते में एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर से सोनू कवड़े सिर के बल सड़क पर गिर पड़े, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। वहीं इस हादसे में उनके साथी रामदयाल को कोई चोटें नहीं लगी। घायल सोनू को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पुलिस चौकी ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

छात्रावास अधीक्षक ने पत्रकार से की अभद्रता

बैतूल। सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास अधीक्षक द्वारा वरिष्ठ पत्रकार से अभद्रता किये जाने की शिकायत सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग बैतूल से की है। इस संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा है, जिसमें बताया कि सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास के अधीक्षक नारायण नगदे को जारी नोटिस के आधार पर खबर का प्रकाशन किया गया था। वरिष्ठ पत्रकार राधेश्याम सिन्हा ने बताया कि समाचार प्रकाशन का तात्पर्य छात्रावास में अनुशासन कायम करना एवं स्वच्छता बनाए रखने के लिए था, किन्तु अधीक्षक श्री नगदे द्वारा 23 फरवरी को रास्ते में रोककर छात्रों का स्टेटमेंट लेन के बहाने अपने कक्ष में बुलाकर मेरे साथ अभद्रता की। साथ ही धमकी देने संबंधी छात्रों से वीडियों बनाकर वायरल किया है, जोकि सरकारी कर्मचारी को नहीं किया जाना चाहिए था। पत्रकारों ने उक्त मामले की सूक्ष्मता से जांच कर छात्रावास अधीक्षक नारायण सिंह नगदे पर नियमानुसार कार्रवाही किये जाने की मांग की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकारगण मौजूद रहे।

परिजनों का आरोप : पेट पर मारे घूंसे, इसलिए नवजात की मौत

बैतूल। जिला अस्पताल के प्रसूति वार्ड में लापरवाही और दुर्व्यवहार का गंभीर मामला सामने आया है। 20 फरवरी की रात एक नवजात की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही बरतने, प्रसूता की तकलीफ को नजरअंदाज करने और उसके पेट पर घूंसे मारने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। इस घटना के बाद प्रसूता की मानसिक स्थिति बिगड़ गई है, जिसके चलते उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। वर्तमान में प्रशासन ने मामले की जांच के लिए तीन डॉक्टरों की टीम गठित कर दी है। नवजात के पिता योगेश यादव ने बताया कि प्रसूता को दर्द

बढ़ने पर ड्यूटी पर मौजूद नर्स को कई बार बुलाया गया, लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने प्रसूता के साथ असंवेदनशीलता की सारी हदें पार करते हुए अपमानजनक टिप्पणी की। परिजन हंसराज के मुताबिक, देर रात करीब ढाई बजे जब प्रसूता का दर्द बहुत ज्यादा बढ़ गया था, तब नर्स को जगाने पर उन्होंने चिढ़कर अभद्रता की। परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर सबसे गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रसव के दौरान स्टाफ ने महिला के पेट पर घूंसे मारे, जिससे गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। इस अमानवीय घटना और नवजात की मौत के बाद प्रसूता गहरे सदमे में है और उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ गई है। महिला की बिगड़ती हालत को देखते हुए परिवार को मजबूरन उसे जिला अस्पताल से ले जाकर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है।

3 डॉक्टरों की टीम करेगी जांच, नर्स व स्टाफ को नोटिस: बैतूल जिला अस्पताल के सिविल सर्जन जगदीश घोरे ने इस पूरे मामले की पुष्टि की है और इसे गंभीरता से लिया है। उन्होंने बताया कि परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच के लिए तीन डॉक्टरों की एक विशेष टीम गठित की गई है। ड्यूटी पर मौजूद संबंधित नर्स और चतुर्थ श्रेणी स्टाफ को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए गए हैं। सिविल सर्जन ने आश्वासन दिया है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अनूपपुर में पटवारियों पर कार्रवाई से आक्रोश

बैतूल। अनूपपुर जिले में पटवारियों पर हो रही प्रशासनिक कार्रवाई के विरोध में प्रदेशभर के पटवारियों में है। मंगलवार को मध्यप्रदेश पटवारी संघ की बैतूल जिला इकाई ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। कार्यकारी जिलाध्यक्ष अवधेश वर्मा, संरक्षक जितेंद्र पवार के नेतृत्व में पटवारियों ने राजस्व विभाग मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव और आयुक्त भू-अभिलेख (ष्टरुक्र) के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संघ ने ज्ञापन में बताया कि अनूपपुर जिला प्रशासन द्वारा पटवारियों का लगातार आर्थिक, मानसिक और प्रशासनिक उत्पीड़न किया जा रहा है। अनूपपुर में कई

पटवारियों का वेतन महीनों से रोका गया है, बिना किसी अपील के अर्थदंड लगाए गए हैं और 30 से अधिक पटवारियों को बिना नोटिस के निलंबित किया गया है। बैतूल इकाई ने इन कार्रवाइयों को तानाशाही करार देते हुए कहा कि वेतन पर कर्मचारी और उसके परिवार का अधिकार होता है, जिसे अनूपपुर कलेक्टर द्वारा अनुचित रूप से रोका गया है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि अनूपपुर जिले के पटवारियों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया, तो प्रदेशभर के पटवारी चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। घोषणा के अनुसार, 25 और 26 फरवरी को प्रदेशभर के पटवारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। इस दौरान सभी जिलाध्यक्ष अनूपपुर कलेक्टोरेट का घेराव करेंगे। यदि मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो 27 फरवरी से प्रदेशव्यापी हड़ताल की जाएगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान बैतूल जिले के दर्जनों पटवारी मौजूद रहे।

पंजीकृत किसानों का 10 मार्च तक करें सत्यापन : कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत किसानों, रकबा और बोई गई फसल का सत्यापन किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि पंजीकृत किसानों का सत्यापन ई-उपार्जन पोर्टल पर किसान पंजीयन की कार्यवाही के साथ-साथ तय समय-सीमा 10 मार्च तक तथ्यात्मक सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, ताकि उपार्जन के समय किसानों को अनावश्यक परेशानी न हो। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्देश दिए कि जिन किसानों के पंजीयन में दर्शाए गए रकबा/फसल और गिरदावरी में अंतर है, उनका विशेष सत्यापन किया जाए। वहीं पिछले वर्ष की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक किंतु 5 हेक्टेयर से ज्यादा रकबा दर्ज कराने वाले किसानों का सत्यापन अनिवार्य रूप से हो और 5 हेक्टेयर से अधिक रकबा वाले सभी किसानों का सत्यापन किया जाए। इसी प्रकार सिकमी, बटाईदार, कोटवार और वन पट्टाधारी किसानों के प्रकरणों की अलग से सत्यापन किया जाए।

कार्यालय किराये पर लेने कांग्रेस कर रही तलाश

सारनी। नवागत ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी के कार्यालय खोलने के लिए किराये पर दुकान खोजने मे लगे हुए है. जिले से लेकर ब्लाक स्तर तक कांग्रेस पार्टी के पास कार्यालय नहीं है. बताया जाता है कि कांग्रेस पार्टी ने आजादी की लड़ाई से लेकर देश की सत्ता तक लंबा सफर तय किया। करीब 68 वर्षों तक देश की सत्ता संभालने वाली कांग्रेस पार्टी की स्थिति अब स्थानीय स्तर पर ऐसी हो गई है कि सारनी ब्लॉक में उसे अपना ठिकाना तक नसीब नहीं हो पाया है।हालात यह हैं कि कांग्रेस के नवनियुक्त सारनी ब्लॉक अध्यक्ष इन दिनों राजनीतिक रणनीति कम और ऑफिस खोजो अभियान ज्यादा चलाते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष जनता के मुद्दों से पहले पार्टी के लिए छत ढूंढना प्राथमिकता बन गया है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि जिस पार्टी ने कभी देश चलाया,आज बैतूल जिले मे कांग्रेस के पास कार्यालय व्यवस्था तक नहीं है.सवाल यह भी उठ रहा है कि जब संगठन के पास खुद बैठने की स्थायी जगह नहीं,तो राजनीतिक लड़ाई की रणनीति आखिर कहाँ तैयार होगी,चाय की दुकान पर या कार्यकर्ताओं के ड्राइंग रूम में ?दिलचस्प तुलना भी सामने आ रही है।एक तरफ कांग्रेस,जिसे बने 141 वर्ष हो चुके हैं,वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने महज एक दशक से कुछ अधिक समय में देशभर के राज्यों में अपने भव्य और आधुनिक कार्यालय खड़े कर दिए। राजनीतिक जानकार तंज कसते हुए कहते हैं कि कांग्रेस का इतिहास जितना लंबा है,बैतूल जिले में उसका वर्तमान उतना ही भटकता हुआ दिखाई देता है। अब सवाल यह है कि पार्टी पहले संगठन खड़ा करेगी या कार्यालय क्योंकि राजनीति में बिना पते की पार्टी को जनता कितनी गंभीरता से लेगी,यह आने वाला समय हीबताएगा। फिलहाल सारनी में कांग्रेस की राजनीति का सबसे बड़ा मुद्दा चुनाव नहीं,बल्कि ऑफिस कहाँ बनेगा, बना हुआ है?

दो दिवसीय प्रवास पर बैतूल आएंगे सैनिक कल्याण संचालक

बैतूल। संचालक सैनिक कल्याण मप्र भोपाल ब्रिगेडियर अरुण नायर, सेना मेडल (से.नि.) 25 एवं 26 फरवरी को बैतूल, मुलताई और सारणी के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर पूर्व सैनिकों, शहीदों की पत्नियों और उनके आश्रितों से सीधा संवाद करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार 25 फरवरी को वे कारगिल चौक बैतूल पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद शाम 4.30 बजे जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में आयोजित पूर्व सैनिक सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में पूर्व सैनिकों, शहीदों की पत्नियों एवं उनके आश्रितों की समस्याएं सुनेंगे। ब्रिगेडियर नायर 26 फरवरी को सुबह 10.30 बजे ग्राम मोही, मुलताई में द्वितीय विश्वयुद्ध की वीर नारी से भेंट करेंगे। इसके पश्चात 11 बजे शासकीय अस्पताल परिसर स्थित ईसीएचएस कैंप, मुलताई में पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों से संवाद करेंगे। इसके बाद शाम 4 बजे सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारणी में पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनेंगे। कैप्टन आईएन सुमीत सिंह सेवानिवृत्ति जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने अपील की है कि वे कार्यक्रम के अनुसार अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं रखें।

42 हजार किसानों को कार्ड वितरण का लक्ष्य

बैतूल। अन्नदाता किसानों को आत्मनिर्भर बनाने, उनके सम्मान और आय में वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रेरक नेतृत्व में प्रदेशभर में किसान कल्याण वर्ष 2026 अंतर्गत किसान हितैषी गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में बैतूल जिले में भी कृषि विभाग द्वारा किसानों के हित में विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए खेतों की मृदा का स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है। मृदा की गुणवत्ता खराब होने से फसलों के उत्पादन पर सीधा प्रभाव पड़ता है और किसानों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग बैतूल द्वारा मृदा परीक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण हेतु प्रभावी

जागरुकता गतिविधियां की जाएंगी आयोजित

कार्यक्रमों के दौरान मृदा पोषक तत्वों का प्रदर्शन

कार्ययोजना तैयार की गई है। उप संचालक कृषि आनंद कुमार बड़ोनिया ने बताया कि जिले में सॉइल हेल्थ एवं फर्टिलिटी योजना के अंतर्गत 90 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इस वर्ष जिले के 42 हजार किसानों के खेतों से मिट्टी के नमूने एकत्र कर उनका परीक्षण किया जाएगा तथा परीक्षण परिणामों के आधार पर किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जाएंगे। जिले में संचालित 9 निजी एवं संस्थागत तथा 1 विभागीय मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से यह कार्य किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 25 स्कूलों का चयन कर सॉइल हेल्थ प्रोग्राम के तहत मृदा नमूना संग्रहण एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रमों के दौरान मृदा पोषक तत्वों का प्रदर्शन तथा किसानों के प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

जल जीवन मिशन में बना संपवेल लीकेज, पाइप भी कई जगह फूटी

मुलताई। क्षेत्र में स्थित ग्राम पंचायत पारड़सिंगा में बीते 3 वर्ष पूर्व जल जीवन मिशन योजना के तहत ठेकेदार द्वारा घाटिया निर्माण किए जाने से योजना अल्प अवधि में ही दम तोड़ चुकी है। वहीं योजना का कार्य अधूरा पड़ा है। जिसके चलते मंगलवार को पारडसिंगा सरपंच जयमाला उत्तम बोडखे ने मंगलवार को बैतूल पहुंचकर कलेक्टर एवं पीएचई के कार्यपालन यंत्री को शिकायत की है। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री को तीन दिनों में ग्राम पहुंचकर कार्रवाई के निर्देश दिए है। सरपंच द्वारा की गईं शिकायत में बताया ग्राम में जल जीवन मिशन के तहत पाईपलाईन

का कार्य किया गया है, लेकिन ठेकेदार द्वारा अधिकारियों के मिली भगत से कार्य में अत्यधिक लापरवाही बरती गई जिससे जल स्त्रोत से सम्पवेल तक पाईप लाईन के पाईप कई बार फट रहे है जिससे ग्राम में सुचारू रूप से पेयजल व्यवस्था नही हो पा रही है, जनता पेयजल के के लिए परेशान है। ठेकेदार द्वारा पाईप लाईन विस्तार कार्य प्राकलन अनुसार नहीं किया है, पाईप लाईन खराब होने के कारण मुख्य पाईप लाईन में अत्यधिक ज्वाइंट हो गये है जिससे भविष्य में यह पाईप लाईन चलना संभव नही है। वहीं ठेकेदार द्वारा जो सम्पवेल बनाया वह भी पूर्ण रूप से लीकेज है। ठेकेदार की घोर लापरवाही के कारण ग्रामीण आंदोलन के लिए उग्र हो रहे है। पारड़सिंगा में जल जीवन मिशन योजना के तहत लगभग 3 वर्षों से कार्य चल रहा है लेकिन ग्राम पंचायत को योजना के सम्बंध में आधी अधुरी जानकारी है,सरपंच ने प्राकलन,नक्शा, कितने मीटर, किस साईज की पाईप लाईन, कितने रुपए का आवंटन प्राप्त हुआ, कितना खर्च हुआ, कितने रुपए का मूल्यांकन हो गया, कितना शेष है, मूल्यांकन की छायाप्रति एवं कितने मीटर पाईप लाईन डालना शेष है के संबंध मे जानकारी मांगी है।

विद्यार्थियों ने फैक्ट्री का किया विस्तृत अवलोकन

बैतूल। ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, भारत भारती जामठी बैतूल के द्वितीय वर्ष सत्र 2023-2024 के छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय द्वारा 10 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर दिल्ली भेजा गया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने विश्व की प्रमुख आयुर्वेदिक कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड के विभिन्न इकाइयों का विस्तृत भ्रमण एवं अवलोकन किया। छात्र-छात्राओं ने डाबर रिसर्च फाउंडेशन, डाबर रिसर्च एवं डेवलपमेंट विभाग, डाबर की फैक्ट्री तथा टिशू कल्चर फैसिलिटी का विस्तार से निरीक्षण किया। डाबर रिसर्च के वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी दी और उनकी सभी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

महाविद्यालय के आचार्य डॉ. अमित श्रीवास्तव के विशेष अनुरोध पर इस विजिट को सुलभ बनाने में डॉ. अजीतपाल सिंह और भुवनेश्वर पांडेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के सेल्स हेड डॉ. रूपेश वरणेकर तथा नेशनल सेल्स हेड डॉ. नितिन बेरड़े ने भी छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। यह 10 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण अध्यक्ष गणेश मालवीय, कोषाध्यक्ष संतोष पाल एवं प्राचार्य डॉ. विजय माने के मार्गदर्शन में तैयार रूपरेखा के अनुसार संपन्न हुआ। समापन अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. संदीप खाकरे और डॉ. अमित श्रीवास्तव ने महाविद्यालय प्रबंधन एवं सभी संबंधित संस्थानों का सहयोग प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया।

अनुमति नहीं मिली तो समिति प्रबंधक से की अभद्रता, केस

बैतूल। धनोरा स्थित बहुउद्देशीय आदिम जाति सेवा सहकारी समिति के प्रबंधक धर्मराज धोटे के साथ सोमवार दोपहर करीब 3 बजे कार्यालय में घुसकर गाली-गलौज और अभद्रता का मामला सामने आया। घटना को लेकर प्रबंधक ने कर्मचारियों के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। धर्मराज धोटे ने आरोप लगाया मां ताप्ती वेयर हाउस के संचालक श्याम पटैया अपने वेयर हाउस में गेहूं खरीदी केंद्र खोलना चाहते थे। इसकी अनुमति नहीं मिलने पर वे कार्यालय पहुंचे और धमकी भरे शब्दों के साथ अभद्र व्यवहार किया। घटना के दौरान कर्मचारी ईश्वरदास धोटे, शशिकांत चढोकार, रविंद्र दाबडे और आनंद वागद्रे

मौजूद थे। धोटे वर्तमान में मध्यप्रदेश सहकारी समिति महासंघ के जिला अध्यक्ष का दायित्व भी संभाल रहे हैं। धनोरा निवासी श्याम पटैया ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया है। उनके भाई धीरेंद्र पटैया ने कहा कि वेयर हाउस संचालन के संबंध में जानकारी लेने के लिए संपर्क किया जा रहा था, लेकिन जवाब नहीं मिलने से विवाद की स्थिति बनी।

2 मार्च से हड़ताल पर जाएंगे बस ऑपरेटर

बैतूल। जिले के बस संचालक राज्य सरकार की नई स्टेट कैरेज नीति के विरोध में 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन के आह्वान पर मंगलवार को जिला बस यूनियन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। बस संचालकों का कहना है कि राज्य सरकार द्वारा लाई जा रही नई स्टेट कैरेज नीति निजी बस व्यवसाय को गंभीर रूप से प्रभावित करेगी। इस नीति के तहत स्टेट कैरेज परमिट जारी होने से निजी बस संचालकों की आजीविका पर सीधा असर पड़ेगा। यूनियन से जुड़े विकास आर्य ने बताया कि यह नीति प्रदेश के कुछ बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए लाई गई है। इसके तहत ये उद्योगपति छोटे बस

ऑपरेटर्स से बसें लेकर उनका संचालन करेंगे। हालांकि, बसों का परमिट, रोड टैक्स और अन्य सभी प्रक्रियाएं बस ऑपरेटर को ही पूरी करनी होंगी, साथ ही उद्योगपति को एक निश्चित रॉयल्टी भी देनी पड़ेगी। यूनियन का आरोप है कि यह नीति छोटे ऑपरेटर्स को खत्म कर देगी। यूनियन ने सरकार से प्रस्तावित नीति को वापस लेने और निजी बस संचालकों के हितों को सुरक्षित रखने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर विचार नहीं किया, तो 2 मार्च से प्रदेशभर में बसों का संचालन बंद कर दिया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में विकास आर्य, संजू गायत्री, शरद वागदरे, अनिल पोटे, योगेश पोटे और अशोक राठौर सहित यूनियन के अन्य पदाधिकारी शामिल थे।